

سُورَةُ الطَّارِقِ

Surah 86 — At-Taariq (The Morning Star) · Meccan · 17 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ وَالسَّمَاءِ وَالطَّارِقِ

आसमान और रात को आने वाले की कसम

2

وَمَا أَدْرَاكَ مَا الطَّارِقُ

और तुमको क्या मालूम रात को आने वाला क्या है

3

النَّجْمُ الثَّاقِبُ

(वह) चमकता हुआ तारा है

4

إِنْ كُلُّ نَفْسٍ لَّمَّا عَلَيْهَا حَافِظٌ

(इस बात की कसम) कि कोई शख्स ऐसा नहीं जिस पर निगेहबान मुकर्रर नहीं

5

فَلْيَنْظُرِ الْإِنْسَانُ مِمَّ خُلِقَ

तो इन्सान को देखना चाहिए कि वह किस चीज़ से पैदा हुआ है

6

خُلِقَ مِنْ مَّاءٍ دَافِقٍ

वह उछलते हुए पानी (मनी) से पैदा हुआ है

7

يَخْرُجُ مِنْ بَيْنِ الصُّلْبِ وَالتَّرَائِبِ

जो पीठ और सीने की हड्डियों के बीच में से निकलता है

8

إِنَّهُ ۚ عَلَىٰ رَجْعِهِ ۚ لَقَادِرٌ ۚ

बेशक खुदा उसके दोबारा (पैदा) करने पर ज़रूर कुदरत रखता है

9

يَوْمَ تُبْلَى السَّرَائِرُ

जिस दिन दिलों के भेद जाँचे जाएँगे

10

فَمَا لَهُ ۚ مِنْ قُوَّةٍ ۚ وَلَا نَاصِرٍ ۚ

तो (उस दिन) उसका न कुछ ज़ोर चलेगा और न कोई मददगार होगा

11

وَالسَّمَاءِ ذَاتِ الرَّجْعِ

चक्कर (खाने) वाले आसमान की कसम

12

وَالْأَرْضِ ذَاتِ الصَّدْعِ

और फटने वाली (जमीन की कसम)

13

إِنَّهُ ۚ لَقَوْلُ ۚ فَصْلٌ ۚ

बेशक ये कुरान क़ौले फ़ैसल है

14

وَمَا هُوَ بِالْهَزْلِ

और लगो नहीं है

15

إِنَّهُمْ يَكِيدُونَ كَيْدًا ۚ

बेशक ये कुफ़्फ़ार अपनी तदबीर कर रहे हैं

16

وَأَكِيدُ كَيْدًا ۚ

और मैं अपनी तद्वीर कर रहा हूँ

17

فَمَهْلٍ الْكُفْرَيْنَ أَمْهَلُهُمْ رُؤِيدًا ۚ

तो काफ़िरों को मोहलत दो बस उनको थोड़ी सी मोहलत दो